

Total Pages : 4

KN-100

B.A. (Part-III) Examination, 2022

(New Course)

संस्कृत

(काव्य अलंकार तथा निबन्ध)

[Paper : Second]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Passing Marks : 25

निर्देश: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उनके अंक दर्शाए गए हैं।

इकाई-1

1. निम्न में से किन्हीं दो पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- [20]

(क) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं

हितान्न यः संशृणुते सः किंप्रभुः।

सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं

नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

KN-100/1000

(1)

[P.T.O.]

- (ख) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया
तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।
समुन्नयन्भूतिमनार्यसङ्गमाद्
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः॥
- (ग) निरव्ययं साम न दानवर्जितं
न भूरि दानं विरहय्य सत्क्रियाम्।
प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी,
गुणानुरोधेन बिना न सत्क्रिया॥
- (घ) विहाय शान्तिं नृप धाम तत्पुनः
प्रसीद सन्धेहि बधाय बिद्विषाम्।
ब्रजन्ति शत्रूनवधूयः निःस्पृहा
शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः।

इकाई-॥

2. किरातार्जुनीयम् के आधार पर द्रौपदी के चरित्र-चित्रण को लिखिए। [10]

अथवा

किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

इकाई-III

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यों की व्याख्या कीजिए- [15]

- (क) चारित्र्येण च को युक्तः सर्वभूतेषु कोहितः।
विद्वान् कः कः समर्थश्चकश्चैकप्रियदर्शनः॥
- (ख) सर्वशास्त्रार्थं तत्त्वज्ञः स्मृतिमान् प्रतिभानवान्।
सर्वलोकप्रियः साधुरदीनात्मा विचक्षणः॥
- (ग) चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तदा।
राजा दशरथः स्वर्गे जगाम विलपन् सुतम्॥
- (घ) निवेदायित्वाभिज्ञानं प्रवृत्तिं विनिवेद्य च।
समाध्वास्य च वैदेही मर्दयाभासं तोरणम्॥
- (ङ) न चाग्रिजं भयं किञ्चिन्नाप्सु मज्जन्तिजन्तवः।
न वातजंभयं किञ्चिन्नापि ज्वरकृतं तथा॥

इकाई-IV

4. किन्हीं तीन अलङ्कारों के लक्षण सोदाहरण लिखिए- [15]

- (क) उपमा अलङ्कार
- (ख) विभावना अलङ्कार
- (ग) निदर्शना अलङ्कार

(घ) यमक अलंकार

(ङ) भ्रान्तिमान अलंकार

इकाई-V

5. किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में 15 वाक्यों का निबन्ध
लिखिए - [15]

(क) अहिंसा परमोधर्मः।

(ख) विद्यार्थी जीवनम्।

(ग) विज्ञानस्य चमत्कारः।

(घ) उपमा कालिदासस्य।

----X----